केस स्टडी

नंबर 10

जिम्मेदारी का एहसास

नामः लाखो देवी

उम्रः 52 वर्ष

शिक्षाः 7वीं पास

मुखियाः 2010 से

अनुभवः दूसरी बार मुखिया बनीं

ग्राम पंचायतः इचाक

पंचायत समितिः लातेहार सदर

जिलाः लातेहार

राज्यः झारखण्ड

लाखो देवी इचाक ग्राम पंचायत की मुखिया हैं और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने वाली महिला हैं। उनके पति केन्द्रिय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.) में कार्यरत हैं और वर्तमान में जम्मू और कश्मीर राज्य में पदस्थ हैं। लाखो देवी अपने घर का पूरा काम करने के बाद ग्राम पंचायत भवन में आयी तब हमारी मुलाकात हुई। चर्चा की शुरूआत में ही उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत की मुखिया बनने से पहले उनका ज्यादा समय घर के कामों और खेती–किसानी के कामों में लगता था। लाखो देवी बताती हैं कि वह केवल 7वीं तक ही पढ़ पायीं। उनके अनुसार शादी के बाद जब वह अपने ससुराल पहुँची तो घर से निकलना कम होता था। कुछ समय के बाद जब लोगों को दिक्कत में देखा तो उनकी मदद करना शुरू किया। इससे लाखो देवी को संतोष भी मिला और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा। इसी दौरान 2010 में जब झारखण्ड में ग्राम पंचायतों के लिये चुनावों की घोषणा हुई तो उन्हें लगा कि मुखिया बन कर लोगों की सेवा और अच्छे तरीके से की जा सकती है। उनके इस विचार पर घर के लोगों के साथ ही गाँव के अन्य लोगों ने भी मुहर लगायी और वह मुखिया का चुनाव जीत गयीं।

मुखिया के रूप में अपने पहले कार्यकाल के बारे में बताते हुये लाखो देवी बताती हैं कि उन्होंने गाँव वालों के सहयोग से कुछ अच्छे काम किये थे जिसका नतीजा है कि लोगों ने उन्हें दूसरी बार मुखिया के रूप में चुना है। लाखो देवी के अनुसार पहले गाँव में आने–जाने की बहुत समस्या थी जिसे दूर करने के लिये गाँव के लोगों ने प्राथमिकता के आधार पर सड़क बनाने का काम तय किया। आज गाँव में किसी को भी आने–जाने में दिक्कत नहीं है क्योंकि गाँव में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय गारन्टी योजना (मनरेगा) के माध्यम से सड़क का निर्माण करा दिया गया है। इसी प्रकार गाम पंचायत में पीने के पानी और अन्य कामों के लिये तालाबों का गहरीकरण कराया गया है। गाँव में लोगों के बैठने के लिये चबूतरे और चौपाल का निर्माण भी कराया गया है। लाखो देवी के अनुसार गाँव के जरूरतमंद लोगो को पेंशन की योजनाओं से जोड़ा गया है जिससे उनको कुछ लाभ दिलाया जा सके।

लाखो देवी बताती हैं कि पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने लोगों को पुलिस स्टेशन जाने के बजाय पंचायत में बैठकर बात करने के लिये प्रेरित किया और इससे गाँव की बहुत सी समस्या आसानी से हल हो गई। इससे लोगों का समय और पैसा दोनों बचा।

अपने दूसरे कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में बताते हुये लाखो देवी बताती है कि हाल ही में ग्राम पंचायत के कुछ लोगों को प्रधान मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत घर भी उपलब्ध कराया गया है। इसी प्रकार मनरेगा के अन्तर्गत डोभा निर्माण, स्वच्छ भारत मिशन से शौचालय निर्माण और 14वें वित्त आयोग के फंड से सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। हालांकि लाखो देवी बताती हैं कि जिले के स्तर से अभी तक स्वच्छ भारत मिशन में बने शौचालयों के लिये पैसा नहीं दिया गया है।

अन्य कामों के संबंध में लाखो देवी बताती हैं कि आज उनके ग्राम पंचायत के लगभग सभी परिवार के पास आधार कार्ड है। इसके लिये उनके प्रयास से ग्राम पंचायत में कैम्प लगाकर सभी को आधार कार्ड बनवाने के लिये प्रेरित किया गया। उनके अनुसार ग्राम पंचायत में 74 परिवारों को पेंशन की दूसरी योजनाओं से भी जोड़ा गया है। इस पूरे काम में लाखो देवी ग्राम सभा के महत्व के बारे में बताती हैं और कहती हैं कि ग्राम सभा के बारे में लोगों को जानकारी वह वार्ड मेंबरों के माध्यम से स्वयं दिलवाती हैं जिसमें दिन, स्थान, समय सभी कुछ बताया जाता है। ग्राम सभा की सभी बैठकों का पूरा विवरण लिखा जाता है और कोशिश की जाती है कि लोगों की सभी माँगों को पूरा कर दिया जाय। ग्राम सभा की सभी बैठकों का दस्तावेज ग्राम पंचायत भवन में सचिव के द्वारा रखा जाता है।

ग्राम पंचायत में सड़क निर्माण

योजना बनाओ अभियान के माध्यम से ग्राम पंचायत डेवलपमेन्ट प्लान के बारे में बताते हुये लाखो देवी कहती हैं कि ग्राम पंचायत में ग्राम सभा के माध्यम से लोगों की जरूरतों के आधार पर योजना का निर्माण कराया गया है। इसके लिये पहले दिन गाँव का मानचित्र (संसाधन) भी बनाया गया था। दूसरे दिन गाँव में घूमकर इस पर चर्चा की गयी और फिर लोगों की माँग के आधार पर योजना बनाई गयी। योजना बनाने के बाद उसे विकास खण्ड कार्यालय में भेज दिया गया है।

मनरेगा के कामों के बारे में बताते हुये लाखो देवी कहती हैं कि रोजगार सेवक के सहयोग से ही सारे कामों की देख–रेख की जाती है और लोगों को काम दिया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राम पंचायत में लेबर बजट नहीं बनाया जाता है। जैसे ही काम की स्वीकृति मिलती है उसे लोगों को बता दिया जाता है और काम करने वाले लोगों को काम पर लगाया जाता है।

लाखो देवी बताती हैं कि मुखिया बनने के बाद उन्हें लातेहार में मुखिया के रूप में उनके काम करने के तरीके के बारे में एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जाने का मौका मिला। बहुत सारी बातें बताये जाने के कारण उनकी समझ में कुछ नहीं आया। दूसरी बार उन्हें राज्य ग्रामीण विकास संस्थान में प्रशिक्षण मिला जिसमें मनरेगा, पेंशन और 13वें वित्त आयोग के बारे में जानकारी मिली। अपने कामों से जोड़ने पर उन्हें इस प्रशिक्षण का लाभ मिला। इसके बाद उन्हें विकास खण्ड अधिकारी और उपायुक्त के कार्यालय में भी कुछ प्रशिक्षण मिले जिससे उनके काम में मदद मिल रही है।

लाखो देवी के अनुसार प्रशिक्षण को सरल भाषा में और लोगों को समझाकर देने से ज्यादा लाभ होगा। उनके अनुसार प्रशिक्षण का काम नियमित रूप से किया जाना चाहिये जिससे काम ठीक से हो सके। लाखो देवी का मानना है कि यदि ग्राम पंचायत के मुखिया लोगों के आने–जाने की व्यवस्था हो जाय तो उनको काम करने में बहुत मदद मिलेगी।